केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्यत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 176 रविवार 19 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पिता ने बेटे पर दर्ज कराया धोखाधड़ी का मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाने में लाखों रुपये के हेरफेर के आरोप में एक पिता ने अपने बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर धोखाधड़ी कर रुपये हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अस्पताल चौराहा निवासी अंगद चौरसिया ने तहरीर देकर बताया है कि उनका बेटा पंकज चौरसिया उनकी पान मैटेरियल की दुकान चलाता है और देखरेख भी करता है। आरोप है कि उसने धोखाधड़ी कर 20 लाख रुपये व दुकान का पैसा कुल 40 लाख लोन दो साल से अपने दोस्तों के साथ मिलकर हड़प लिया।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर पंकज चौरसिया व उसके दोस्त के खिलाफ आईपीसी 406 व 420 के तहत केस दर्ज किया है। विवेचक एसआई ओमप्रकाश मिश्र ने बताया कि इस प्रकरण में अन्य कई तथ्य भी सामने आए हैं। जांच कर उचित कार्रवाई होगी।

डबल मर्डर मामले में होगी कुर्की

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के सेठा गांव में संपत्ति के लिए सुनियोजित तरीके से मां–बेटी की हत्या कर उनके शव को कमरे में तख्त पर रखकर जलने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी कमलेश उपाध्याय सहित अन्य आरोपियों पर न्यायालय की ओर से 82 की कार्रवाई करने का आदेश जारी हो गया है। शनिवार को पुलिस आरोपी के घर पर डुग्गी–मुनादी करा कर नोटिस चस्पा कर सकता है।

पुलिस कुर्की की के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटा था। सीओ संजय सिंह ने बताया कि 82 की कार्रवाई के लिए न्यायालय से आदेश मिल गया है। मुख्य आरोपी कमलेश उपाध्याय ने न्यायालय में आत्मसमर्पण के लिए अर्जी दी थी लेकिन वह हाजिर नहीं हुआ। पुलिस लगातार उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस तीनों आरोपियों के विरुद्ध कुर्की के लिए न्यायालय से शुक्रवार को आदेश जारी कराया है। न्यायालय के आदेश के क्रम में शनिवार को पुलिस आरोपियों के घर मुनादी कराकर नोटिस चस्पा कर सकती है।

मण्डी समिति के सचिव का वेतन रोकने का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अहालत ने कृषि मंडी समिति के सचिव का वेतन रोकने का आदेश दिया है। अग्रिम आदेश तक उन्हें कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। पुरानी बस्ती निवासी अफजल ने न्यायालय में मुकदमा दाखिल कर कहा था कि उसकी जमीन मंडी परिषद में अधिग्रहित की गई है। 50 हजार रुपए प्रति बिस्वा की दर से भुगतान करने का आदेश कोर्ट ने किया था। भुगतान नहीं करने पर वसूली के लिए अफजल ने मुकदमा दाखिल किया है।इस मामले में अदालत ने चार माह पूर्व मंडी समिति के सचिव को तलब किया था। अदालत में उपस्थित होकर सचिव ने भुगतान के लिए चार माह का समय मांगा था। इस अवधि के बीच भी किसान की जमीन का भुगतान उनकी ओर से नहीं किया गया। किसान की ओर से पुनः न्यायालय में प्रार्थना–पत्र देकर कहा गया है कि चार माह बीतने के बाद भी मंडी समिति ने भुगतान नहीं किया। समिति के सचिव की कोर्ट के आदेश के प्रति घोर लापरवाही मानते हुए अदालत ने सचिव का वेतन रोकने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई 23 जनवरी को होगी।

सैफ अली खान का संदिग्ध हमलावर हिरासत में

दुर्ग (आभा)। मुंबई में सैफ अली खान पर हमले के मामले में एक संदिग्ध को दुर्ग आरपीएफ हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आरपीएफ ने शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से एक युवक को हिरासत में लिया है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई पुलिस ने आरपीएफ पुलिस को एक तस्वीर भेजी थी

जिसके आधार पर आरपीएफ पुलिस ने शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से एक युवक को हिरासत में लिया है। युवक मुंबई से बिलासपुर जा रहा था और जनरल बोगी में यात्रा कर रहा था।दरअसल बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हाल ही में उनके मुंबई स्थित घर में घुसकर एक शख्स ने हमला कर दिया था।

वहीं आरपीएफ प्रभारी संजीव सिन्हा ने बताया कि मुंबई पुलिस द्वारा एक फोटो दुर्ग आरपीएफ को भेजी गई थी, जिसके आधार पर शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस की जनरल बोगी से संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया। युवक का नाम आकाश कैलाश कनौजिया है जो मुंबई का रहने वाला है। ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में बैठकर बिलासपुर जा रहा था जहां से तिल्दा नेवरा में अपने परिचित के घर जाने की बात युवक ने आरपीएफ को बताया है। आरपीएफ ने मुंबई पुलिस को संदिग्ध युवक की फोटो भेजकर पहचान कराई है।

डाक्टर से दुष्कर्म, हत्या में संजय दोषी करार

कोलकाता (आभा)। सियालदह सिविल और क्रिमिनल कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज–अस्पताल में महिला प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में फैसला सुनाया। इस मामले के मुख्य आरोपी संजय रॉय को अदालत ने दोषी करार दे दिया। आरोपी संजय रॉय ने अदालत में दावा किया कि उसे फंसाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि उसे सोमवार को अदालत में बोलने का मौका दिया जाएगा। अदालत सोमवार को सजा

सुनाएगी। संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64, 66 और 103(1) के तहत दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया।

महाकुंभ के लिए 25 बसों में 1500 यात्रियों को किया रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए क्षेत्र वासियों को निशुल्क निजी बस सुविधा मुहैया कराने का सिलसिला लगातार जारी है। विधायक और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने शनिवार को 1500 यात्रियों की 25 बसों को हरैया विधानसभा के खतमसराय से झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक ने यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया। पूर्व सांसद ने श्रद्धालुओं के सुखद और मंगल यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना दिया। उन्होंने हरैया विधायक अजय सिंह की सराहना करते हुए कहा कि विधायक द्वारा क्षेत्रवासियों को दी जा रही यह सुविधा प्रशंसनीय है। विधायक ने बताया कि क्षेत्र वासियों के लिए यह सुविधा महाकुंभ के अंतिम स्नान महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा।

–पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बढाया विधायक अजय सिंह का हौसला

निशुल्क महाकुंभ यात्रा के लिए लोगों को रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। यात्रियों के लिए रहने खाने इत्यादि की भी व्यवस्था निःशुल्क कराई गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में और बसें उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु महाकुम्भ मेला में सम्मिलित हो सकें।

इस अवसर पर कृष्ण कुमार सिंह, महेन्द्र सिंह, कौशलेंद्र सिंह, मनीष सिंह लक्की, तेजबहादुर सिंह, इंद्र कुमार शुक्ल, विजय मिश्र काका, अखिलेश सिंह, मुलायम सिंह, रणजीत सिंह, रविन्द्र सिंह, विनोद गुप्ता, अमरनाथ शर्मा, भरत सिंह, निर्मल सिंह, दुर्गेश, प्रिन्स, वीरू, विक्कू, बड़े, शेरा, आशु सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

ब्लैकमेल कर दुष्कर्म मामले में अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के परसरामपुर थानाक्षेत्र में एक युवती को ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म की करने की वारदात सामने आई है। आरोप है कि आरोपी सत्यम ने चुपके से उनकी अश्लील फोटो बना ली। इसे वायरल करने की धमकी देकर कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाया। एसएचओ परसरामपुर दिनेश कुमार चौधरी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर सत्यम समेत दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। घटना की विवेचना सीओ हरैया संजय सिंह स्तर से की जा रही है।

परसरामपुर थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता ने तहरीर आरोप लगाया है कि इसी थानाक्षेत्र के रहने वाले सत्यम ने उनकी अश्लील फोटो चुपके से खींच ली। बाद में इसी फोटो को दिखाकर वह ब्लैकमेल कर छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर फोटो को वायरल करने की धमकी देता था। लोकलाज के डर से वह चुप रही।

इसी बात का फायदा उठाकर उसने कई बार डराधमका कर जबरन शारीरिक संबंध बनाया। ऐसा करने से मना करने पर अपशब्द व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित भी किया। आरोप है कि 26 अक्तूबर 2024 का दिन में दस बजे एक अज्ञात व्यक्ति के साथ आया और उनके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। कोर्ट के आदेश पर परसरामपुर पुलिस ने सत्यम व एक अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कर छानबीन शुरू कर दी है।

एक की सेवा समाप्त:11 परिचालकों को नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोडवेज बस्ती डिपो में कार्यरत 11 परिचालकों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी है। लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे हैं परिचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है, जबकि एक परिचालक की सेवा समाप्त कर दी गई है।

एआरएम बस्ती डिपो आयुष भटनागर ने बताया कि वरिष्ठ केंद्र प्रभारी ने रिपोर्ट दी है कि संविदा और आउटसोर्स के 11 परिचालक दिसंबर माह से ड्यूटी से अनुपस्थित हैं। इससे संचालन प्रभावित हो रहा। रिपोर्ट के आधार पर संविदा परिचालक बाबूलाल शर्मा, रमेशचंद्र राय, ऋषिकेश तिवारी, अमरेश सिंह, पुनीत सिंह, विघ्न विनाशक सिंह, नीलेश ओझा, विपिन शुक्ल और आउटसोर्स परिचालक फिरोज आलम, आकाश कुमार और रविप्रकाश बिना बताए ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे हैं। नोटिस देकर जवाब मांगा गया है।

इसके बाद भी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए सेवा समाप्त करते हुए ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। एआरएम ने बताया कि इसके अलावा आउटसोर्स परिचालक रामचंद्र यादव 22 अक्टूबर से बिना सूचना के अनुपस्थित हैं। नोटिस के बाद भी जवाब नहीं दिए न ही उपस्थित हुए। केंद्र प्रभारी की रिपोर्ट पर सेवा प्रदाता कंपनी को जानकारी दी गई। इसके बाद सेवा से हटा दिया गया है।

अरविंद केजरीवाल पर हमला

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी और बीजेपी ने एक दूसरे पर हमले का दावा किया है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि अरविंद केजरीवाल पर चुनाव प्रचार के दौरान हमला किया गया है। आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है। वहीं भाजपा का कहना है कि प्रवेश वर्मा के समर्थकों पर भी हमला किया गया है। प्रवेश वर्मा ने भी इस मामले को लेकर वीडियो शेयर किया है और दावा किया है जब लोगों ने अरविंद केजरीवाल से सवाल किया तो उन्होंने 2 लोगों को अपनी गाड़ी से टक्कर मार दी।

आम आदमी पार्टी ने वीडियो शेयर कर दावा किया, भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के गुंडों ने चुनाव प्रचार करते वक्त अरविंद केजरीवाल पर ईंट–पत्थर से हमला कर उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश की ताकि वो प्रचार ना कर सकें। बीजेपी वालों, तुम्हारे इस कायराने हमले से केजरीवाल जी डरने वाले नहीं है, दिल्ली की जनता तुम्हें इसका करारा जवाब देगी।'

उधर नई दिल्ली अरविंद केजरीवाल के सामने भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने भी मामले का वीडियो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है और दावा किया है केजरीवाल ने दो युवाओं पर कार से टक्कर मार दी। उन्होंने कहा, सवाल पूछती जनता पर अरविंद केजरीवाल ने अपनी गाड़ी से 2 युवाओं को टक्कर मारी।दोनों को लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल ले कर गए हैं । हार सामने देखकर लोगों की जान की कीमत ही भूल गए ।

आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका ककक्ड़ ने मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की और दावा किया कि अरविंद केजरीवाल की जान को खतरा है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल की जान को बीजेपी के गुंडों से खतरा है।

गनेशपुर नगर पंचायत में बनेगा ओपेन जिम, स्टडी सेन्टर : बोर्ड की बैठक में हुआ विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को गनेशपुर नगर पंचायत के बोर्ड की बैठक अध्यक्ष सोनमती चौधरी की अध्यक्षता में शिविर कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति आदि बिन्दुओं पर विचार कर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। नगर पंचायत में पार्क और ओपेन जिम, स्टडी सेन्टर का निर्माण कराये जाने पर सहमति बनी। अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने कहा कि गनेशपुर नगर पंचायत को संसाधनों से लैश करने की दिशा में निरन्तर प्रयास जारी है।

बोर्ड की बैठक के बाद पूर्व विधायक एवं गनेशपुर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दयाराम चौधरी ने कहा कि अध्यक्ष की ओर से गनेशपुर नगर पंचायत के समग्र विकास के लिये अनेक प्रस्ताव भेजे गये हैं। संस्तुति के बाद उसे जमीनी धरातल पर उतारा जायेगा।

अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि बोर्ड की बैठक में मुख्य रूप से सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हा प्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूक, सुमन, गणेश कुमार, शिवनरायन, दुर्गेश, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार के साथ ही दुर्गा प्रसाद चौधरी, मो. आरिफ, रिकूं यादव, सोनू सिंह, आशीष चौधरी, राजन पाण्डेय, महेन्द्र चौधरी, लालचंद चौधरी आदि उपस्थित रहे।

जमीन पर जबरिया कब्जे की कोशिश एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के अमहट उर्फ बैरिहवा निवासिनी अजिता त्रिपाठी पत्नी नीरज त्रिपाठी ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में कहा गया है कि गाटा संख्या 401, 402 भूमि पर मालवीय रोड पर उनका पुश्तैनी मकान व सहन तथा खाली जमीन स्थित है जो नगर पालिका परिषद बस्ती में दर्ज है। उनके पूर्वजों ने रजिस्टर्ड बैनामा सन 1961 में लिया था । विपक्षी कृष्ण चन्द्र वो प्रकाश चन्द्र पुत्रगण अक्षय कुमार वो अनुराग पुत्र प्रेमचन्द्र उनके मकान व सहन व खाली जमीन को अपना बताकर जबरदस्ती कब्जा करने के प्रयास में हैं। इस सम्बन्ध में स्थानीय पुलिस व थाना कोतवाली को सूचना दी गई किन्तु अभी तक कोई प्रभावी कार्यवाही न होने से विपक्षियों का मनोबल बढ गया है। वे लगातार धमकी और गालियां देकर जमीन पर जबरिया कब्जा कर लेने की कोशिश कर रहे हैं। मांग किया कि दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ ही उनकी जमीन और परिवार के जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराया जाय।

बस्ती के 1814 गांवों में 116634 घरौनी का वितरण आडिटोरियम में 15 लोगों को मिला प्रमाण पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को स्वामित्व योजना के अंतर्गत जनपद के कुल 1814 गांवों में 116634 घरौनी का वितरण किया गया। अटल बिहारी प्रेक्षागृह सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वामित्व कार्ड (घरौनी) वितरण कार्यक्रम एवं उदबोधन और उसी के क्रम में मुख्यमंत्री जी के स्वामित्व कार्ड वितरण कार्यक्रम एवं उदबोधन का सजीव प्रसारण जनपद मुख्यालय के साथ–साथ समस्त तहसील एवं विकासखंड मुख्यालय पर आयोजित स्वामित्व कार्ड वितरण कार्यक्रमों में किया गया।

जनपद स्तर पर राज्य मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम, विधायक अजय सिंह, उपाध्यक्ष गोसेवा आयोग महेश शुक्ला, मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, सीडीओ जयदेव सी.एस., अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ला, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, ब्लाक प्रमुख यशकान्त

सिंह, विधायक महादेवा प्रतिनिधि फूलचन्द्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में स्वामित्व कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन अटल बिहारी प्रेक्षागृह सभागार में किया गया।

इस अवसर पर राज्य मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि प्रधानमंत्री द्वारा जन सामान्य को अपने अपने अधिकार के स्वामित्व का कार्ड वितरण करने का कार्य किया जा रहा है। इससे विशेष कर आबादी भूमि विवाद अर्थात स्वामित्व संबंधी विवादों का निराकरण हो सकेगा।

उन्होने कहा कि स्वामित्व योजना भारत सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई, एक महत्वकांक्षी योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार और स्वामित्व प्रदान करना है। इस योजना के तहत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की भूमि को डिजिटल रूप में रिकॉर्ड करने का कार्य किया है, जिससे उन लोगों को अधिकार मिले जिनके पास पारंपरिक रूप से भूमि का कोई दस्तावेज नहीं था। इस प्रमापत्र से ग्रामीण नागरिकों को न केवल कानूनी अधिकार प्राप्त होता है, बल्कि उन्हें अपनी संपत्ति पर बैंक लोन लेने अन्य आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने का भी अधिकार मिलता है। इससे ग्रामीण जीवन में सुधार के साथ–साथ सामाजिक और आर्थिक स्थिति में भी सुधार होता है। इस अवसर पर उन्होने आडिटोरियम में 15 लोगों को घरौनी प्रमाण पत्र वितरित किया। उन्होने स्वच्छता व नशामुक्ति के प्रति लोगों को शपथ भी दिलाया।

जिलाधिकारी रवीश गुप्ता द्वारा स्वामित्व योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे संपत्ति कार्ड से प्राप्त होने वाले लाभों तथा जन सामान्य को विभिन्न योजनाओं में आने वाली सुगमताओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद बस्ती में कुल 1814 ग्रामों में 116634 घरौनी का वितरण किया गया। उन्होने कहा कि नयी टेक्नालजी आने से तहसील के कार्य में बेहतर सुधार होगा।

कार्यक्रम में सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, पीडी राजेश कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, डीडीओ अजय सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, अपर जिला सूचना अधिकारी हितेन्द्र कुमार, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में स्वामित्व योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

बाबा साहब की प्रतिमा उठा ले जाने के मामले में आश्वासन पर धरना स्थगित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित कराये जाने, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर शास्त्री चौक पर चल रहा धरना अतिरिक्त एस जिलाधिकारी सुनिष्ठा सिंह के आश्वासन के बाद स्थगित हो गया है। कलवारी थाना क्षेत्र के देवरिया गांव में स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा को कलवारी पुलिस उठा ले गयी थी और अनेक ग्रामीणों के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज करा दिया था। इसे लेकर ग्रामीणों में रोष था और वे भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में न्याय को लेकर धरना दे रहे थे। आर.के. आरितयन ने बताया कि अतिरिक्त एस जिलाधिकारी सुनिष्ठा सिंह आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर प्रकरण का निस्तारण करा दिया जायेगा और बाबा साहब प्रतिमा को स्थापित कराने के साथ ही दर्ज मुकदमों को वापस कराने की दिशा में प्रयास कराया जायेगा। इसी कड़ी में गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला के पिपरा गोसाई निवासी छोटू पुत्र अछैवर को मृतक दिखाकर पेंशन बंद करा दिये जाने के मामले में सुनिष्ठा सिंह ने कहा कि मामले

की जांच कराकर पेंशन दिलाना शुरू कराया जायेगा। इस आश्वासन पर धरने को स्थगित कर दिया गया।

कलवारी थाना क्षेत्र के देवरिया निवासी राम केश भारती ने बताया कि कलवारी पुलिस ने बाबा साहब की प्रतिमा उठा कर ले गई और अनेक ग्रामीणों पर मुकदमा भी दर्ज करा दिया है। कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर मामला निस्तारित न हुआ तो पुनः आन्दोलन किया जायेगा।

धरने के स्थगित होने के निर्णय के दौरान मुख्य रूप से ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, गुलजार गौतम, सुग्रीव प्रसाद चौधरी, राम सुमेर यादव, सुभावती बौद्ध, दीपक, रामचन्दर, अमरजीत, राहुल आजाद, रोशन लाल, मेहीलाल, प्रहलाद गौतम, कृपाशंकर चौधरी, मो. जावेद, इफाकत अली, गिरिजाशंकर यादव, लक्ष्मी, रामरती, तेरसा, राधा गौतम, अंजू, प्रमिला गौतम, अखिलेश्वरी, सोनी भारती, के साथ ही ग्रामीण और भारत मुक्ति मोर्चा पदाधिकारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 जनवरी 2025 रविवार

सम्पादकीय

इस्राइल–हमास युद्ध विराम

यह सुखद ही कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल–हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे कुछ राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों की बार–बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं। निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दीबाजी होगी। हालांकि, अक्तूबर, तेईस में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते–पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

दरअसल, हालिया समझौते में इस्राइली सेना की गाजा से वापसी, चरणबद्ध तरीके से इस्राइली बंधकों व फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा में पुनर्निर्माण पर सहमति बनी है। इसके साथ ही गाजा के विस्थापितों को वापस लौटने की अनुमति भी दी जाएगी। अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा,लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय दावा कर रहा है कि इस्राइली हमलों में अब तक पचास हजार लोग मारे गए हैं। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों–महिलाओं ने युद्ध में जान गवांई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल–स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते के क्रियान्वयन की निगरानी की जाए। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरुआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। हालांकि, इस बात को लेकर शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं कि इस समझौते से फलस्तीनी संकट का स्थायी समाधान हो सकेगा। बहरहाल,युद्ध की त्रासदी व मौसम की मार झेल रहे फलस्तीनियों को को कुछ राहत जरूर मिलेगी।

ट्रंप काल में पड़ोसी चीन की भूमिका

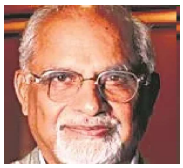

—टीएन निनान—

अब जबकि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं, ऐसे में दुनिया मौलिक परिवर्तन के बीच फंस गई है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे शक्तिशाली देश भी अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता सीमित बनाए रखने के लिए तैयार थे, जिसमें वे अधिकांशतः वैश्विक नियमों और सहकारी कार्रवाई का पालन करने के लिए सहमत थे। ऐसे नियम कई विषयों पर बनाए गए थे। केवल व्यापार और शुल्क ही नहीं, बल्कि परमाणु अस्त्र, समुद्रीय कानून और राष्ट्रीय सीमाओं की पवित्रता पर भी।

आज दो कारणों से यह बदलने लगा है। पहला है चीन का उदभव और उसके साथ–साथ हो रहा वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव। चीन कोई यथास्थितिवादी शक्ति नही है, इसलिए वह उलट–फेर कर चीजों को बदलना चाहता है और अमेरिका को चुनौती देने को बेकरार है। दूसरा है शक्ति–संपन्न राष्ट्रों में शासकों के रूप में अधियानक बनने पर उतारू लोगों का उदय रू व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और अब डोनाल्ड ट्रम्प।

इन दो घटनाक्रमों ने कुछ ऐसा फिर से जिंदा कर दिया है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लगभग मर चुका था, यानी महाशक्तियों द्वारा किए गए युद्ध, जिनका उद्देश्य नया इलाका हासिल करना है। इराक पर अमेरिकी युद्ध एक तरह से पूर्व–चेतावनी थी। तीन साल पहले पुतिन ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। ऐसा लगता है कि शी जिनपिंग ताइवान पर चीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। अब ट्रंप पनामा नहर और ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल प्रयोग की धमकी दे रहे हैं।

भू–राजनीति सदा ही सत्ता को लेकर रही है, लेकिन अब यह नियमों से बेलगाम हुई सत्ता विस्तार में बदलने लगी है। यह बात दक्षिण चीन सागर, गाजा का नरसंहार, तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के ऊपर एक विशाल नया बांध और तीसरी दुनिया के सीधे संघर्ष से बचने वाले देशों को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रतिबंधों के मामले में एकदम सच दिखाई देती है।

अब बहुपक्षीय कार्रवाई करने की बजाय एकतरफा अभियान को प्राथमिकता दी जाने लगी है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की घटती भूमिका एवं उपयोगिता के बीच जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निर्धारित कार्यवाइयों का सिरे न चढ़ना चिंतनीय है। भू–राजनीति सदा ही सत्ता को लेकर रही है, लेकिन अब यह नियमों से बेलगाम हुई सत्ता विस्तार में बदलने लगी है। यह बात दक्षिण चीन सागर, गाजा का नरसंहार, तिब्बत में ब्रह्मपुत्र के ऊपर एक विशाल नया बांध और तीसरी दुनिया के सीधे संघर्ष से बचने वाले देशों को प्रभावित करने वाले आर्थिक प्रतिबंधों के मामले में एकदम सच दिखाई देती है।

इस सबके मूल में मानसिकता में आया बदलाव है, जो परस्पर निर्भरता और व्यापारिक नेटवर्क को लाभप्रद रूप में न देखकर इन्हें कमजोरी के तौर पर लेती है। इसलिए हम आधी सदी से भी ज्यादा पुरानी व्यापार उदारीकरण की परंपरा से परे हटते दिख रहे हैं। इसके लिए, वैश्वीकरण गया भाड़ में, 'सबसे पहले मेरे देश का हित' वाली नीति अपनाना है। नेटवर्क वाली अर्थव्यवस्था छोड़ दो, आत्मनिर्भरता अपनाओ। मंडी के फायदे से बाहर निकलो, राष्ट्रीय व्यापारिक सुरक्षा पहले। कोई एक सदी पहले जब इस सूत्र को आजमाया गया था, तो यह तरीका कारगर साबित नहीं हुआ था, लेकिन लगता नहीं कि इतिहास से मिले सबक बहुत ज्यादा देर तक असरदार रहे।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अतीत में नियम–निर्माण का बहुत बड़ा स्रोत यानी संयुक्त राज्य अमेरिका, अब धरती का सबसे अविश्वसनीय देश बन गया है। फाइनेंशियल टाइम्स के एक स्तंभकार ने अपने लेख में पूछा है : 'क्या अमेरिका एक बेलगाम देश बन गया है'। कोई नहीं जानता कि यह आगे क्या करने जा रहा है, और तो और इसके सहयोगी भी नहीं। यह सब दुनिया को कहीं ज़्यादा अशांत जगह बनाएगा, जहां पहले से बहुत सी अनिश्चितताएं और जोखिम व्याप्त हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जो सहकारी एजेंडे बनाए गए थे, वे पश्चिमी प्रतिमान की प्रधानता के कारण संभव हुए थे। ये कानून एवं समझौते पहले से मौजूद सत्ता संरचनाओं को दर्शाते थे और जिन्हें युद्ध से उभरे सबसे शक्तिशाली देश द्वारा लागू किया गया था। अगर यह विश्व व्यवस्था, जैसा कि बताया जा रहा है, यदि अब टूट रही है, तो हमें मूल कारण पर वापस जाना होगा रू चीन के उदय से पश्चिम के लिए बनता खतरा, एक अभूतपूर्व गति और पैमाने पर। पश्चिमी प्रतिक्रिया इस धारणा से प्रेरित है कि चीन ने स्वीकृत व्यापार नियमों का पालन नहीं किया, पश्चिम के औद्योगिकीकरण को नुकसान पहुंचाने के लिए व्यवस्थित रूप से काम किया। पश्चिमी प्रौद्योगिकियों को भी चुराया हैदू लिहाजा उस पर व्यापार प्रतिबंध, बढ़ाया टैरिफ, प्रौद्योगिकी तकनीक देने से इनकार इत्यादि अनेक अन्य उपाय किए जाएं।

लेकिन शायद यह करने में बहुत देर कर दी। चीन की औद्योगिक श्रेष्ठता को कोई चुनौती नहीं दे पाएगा। पिछले साल इसने अमेरिका से 12.6 गुणा अधिक स्टील, 22 गुणा अधिक सीमेंट और तीन गुणा अधिक कारें बनाईं– जिनके इलेक्ट्रिक मॉडलों के साथ यह अब कार बाजार में जापानी और जर्मनी के वर्चस्व को पछाड़ने की हैसियत में आ चुका है। सकल वैश्विक जलपोत उत्पादन में चीनी शिपयार्ड का हिस्सा आधे से अधिक है। 2030 तक, चीन का विनिर्माण क्षेत्र समूची पश्चिमी दुनिया के कुल उत्पादन से अधिक होने का अनुमान है।

ये शक्तियां केवल तभी तक उपयोगी हैं यदि चीन अपनी पहुंच विश्व बाजारों तक जारी रख पाए, जिसे घटाने की उत्तरोत्तर कोशिशें की जा रही हैं। फिर भी चीन ने 2024 में रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष का आनंद लिया, और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। कुछ क्षेत्रों में यह तकनीक के मामले में पश्चिमी मुल्कों से आगे निकल गया है। लेकिन अब चीनी अर्थव्यवस्था को गंभीर ढांचागत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

वास्तविकता जिससे निपटा जाना चाहिए वह यह है कि पश्चिम मुल्क जितना अधिक खतरा महसूस कर रहे हैं, उतनी ही जल्दी वे अपने उन नियमों को तज रहे हैं जिनका इस्तेमाल कर उन्होंने कभी खेल किया था। नई दुनिया में, हर देश अपने हित पर केंद्रित है, और इसके लिए शक्ति प्रयोग जायज मानता है। हकीकत है कि हर देश अपना रक्षा बजट बढ़ा रहा है, हम उम्मीद करें कि इससे संघर्ष न बढ़े। भले ही इसे टाला जा सकता है, लेकिन पुरानी दुनिया वापस नहीं आएगी। लेकिन क्या नई दुनिया नए नियमों के लिए सहमत हो सकती है?

जिस प्रकार चीजें चल रही हैं, इससे पहले कि मुल्क वार्ता के लिए राजी हों, वैश्विक शक्ति धुरी में बदलाव के लिए खेल होकर रहेगादृ तब जाकर, महाशक्तियां आक्रामकता या आक्रामक मुद्रा के माध्यम से अपनी–अपनी हदों की आजमाइश करेंगी। एक नया तरीका निकलकर आ सकता है। यह यदि यह मान भी लिया जाए कि पश्चिमी प्रशांत महासागरीय क्षेत्र से चीन अमेरिका को पछाड़ने में कामयाब हो जाए, तो भी उसे पूरी तरह वहां से खदेड़ नहीं पाएगा, और रूस को वह मिल जाएगा जो वह चाहता है रू अपने प्रभुत्व क्षेत्र वाला आसपास का इलाका। यह एक स्थिर व्यवस्था होगी या नहीं, यह इन मुख्य प्रश्नों के उत्तरों पर निर्भर करेगा रू मौजूदा शासकों की जगह कौन लेगा, क्या महाशक्तियां जीने और जीने देने के सिद्धांत पर सहमत होंगी और मध्यम दर्जे की शक्तियों की भूमिका क्या रहेगी।

हमें सुरक्षा परिषद जैसी वर्तमान वैश्विक संस्थाओं में सुधार पर ध्यान देना होगा। आदर्श रूप से, परिषद को वीटो को समाप्त कर देना चाहिए और यूरोपीय संघ और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक में प्रबलित मतदान आधारित व्यवस्था को अपनाना चाहिए। इससे आज के वीटो शक्ति संपन्न मुल्कों अंतर्राष्ट्रीय राय के प्रति अधिक संवेदनशील बनेंगे। व्यापार जगत में, बुरी तरह हावी वैश्विक व्यापार नियमों की तुलना में बहुपक्षीय व्यवस्थाएं बनने की संभावना तब अधिक होगी। अफ्रीकी महाद्वीप के गरीब देशों के लिए वैश्विक समझौता जरूरी है। चाहे तो, इस मामले में मध्यम दर्जे की शक्तियां कतर से सीख ले सकती हैं और चीजों में सुधार लाने को मध्यस्थता की भूमिका निभा सकती हैं।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सत्ता की बैसाखी से बदलते नेताओं के सुर

— योगेन्द्र योगी—

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलित प्रदेश के युवाओं की मांग पर भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी आश्चर्यजनक नहीं है। दरअसल भाजपा न सिर्फ बिहार नीतिश सरकार में शामिल है, बल्कि केंद्र में भी उसी की बैसाखियों पर टिकी है। ऐसे में मुद्दा जनहित का हो या न हो, इससे भाजपा को फर्क नहीं पड़ता। इससे पार्टी के उसूलों पर भी आंच नहीं आती। इसी भाजपा ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ पेपर लीक प्रकरणों में विरोध प्रदर्शनों में कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखी। यह दोहरा चरित्र अकेले भाजपा का हो ऐसा नहीं है। जिस प्रदेश या केंद्र में जिस भी दल की सरकार होती है, वहां की सत्तारुढ़ पार्टी का रवैया ऐसा ही होता है। केंद्र में कांग्रेस शासन के दौरान सहयोगी दलों के घपले–घोटाले इसका प्रमाण रहे हैं। सत्ता के लिए गठबंधन की मजबूरी से ऐसा करना देश की राजनीति का चरित्र बन गया है। सत्ता में होने पर पार्टी को कुछ गलत नजर नहीं आता और विपक्ष में आते ही मुद्दे और तरीके बदल जाते हैं।

बिहार में 13 दिसंबर को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी। छात्र प्रदर्शनकारियों के पटना के गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल ने छात्रों और उनके संगठनों के आक्रोश को और बढ़ा दिया।

बिहार की तरह राजस्थान भी कांग्रेस शासन के दौरान पेपर लीक प्रकरणों के कारण सुर्खियों में रहा है। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुई प्रतियोगिता परीक्षाओं में एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आए। सब इंस्पेक्टर भर्ती, सीएचओ भर्ती, लाइब्रेरियन भर्ती और वरिष्ठ अध्यापक भर्ती सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने के खुलासे हुए। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से व्याख्याता भर्ती 2022 की परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला सामने आया। पेपर लीक मामले में उलझी सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर प्रदेश के लाखों युवाओं में हर ताजा अपडेट का इंतजार है। पेपर लीक और डमी अभ्यर्थियों के जरिए सैंकड़ों युवाओं ने नौकरी हासिल कर ली थी। इस मामले की जांच करने वाली एसओजी ने भी व्यापक स्तर पर पेपर लीक होना माना और इस परीक्षा को रद्द करने की सिफारिश पुलिस मुख्यालय को भेजी थी। पुलिस मुख्यालय और मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने भी परीक्षा को रद्द करने की सिफारिश की, लेकिन सरकार ने इस भर्ती परीक्षा को अभी तक रद्द नहीं किया।

राज्य सरकार ने एसआई भर्ती 2021 में चयनित सभी ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों के आगामी प्रशिक्षण पर रोक लगा दी। सरकार ने यह निर्णय राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देश के बाद लिया। एक साल की लंबी एक्सरसाइज में अभी तक 50 सब इंस्पेक्टर पकड़े गए हैं। आरपीएससी के सदस्य पकड़े गए। आश्चर्य की बात यह है कि राजस्थान में भाजपा सरकार केही एक केबीनेट मंत्री अपनी ही सरकार के फैसलों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठा रहे हैं। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं, जबकि सत्तारुढ़ भाजपा अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं कर सकी। अनुशासित माने जानी वाली भाजपा की मजबूरी है कि मीणा के खिलाफ पार्टी और सरकार की लाइन से अलग हट कर चलने को लेकर कार्रवाई नहीं कर सकी। इसमें भाजपा को मीणा के साथ जुड़े मीणा वोट बैंक के खिसकने का डर है। सत्ता के लिए राजनीतिक दल किस हद तक उसूलों को ताक पर रख देते हैं, मीणा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना इसका उदाहरण है। मीणा मंत्री पद से इस्तीफा तक दे चुके हैं, हालांकि उन्होंने इस्तीफा लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन पर अपनी जिम्मेदारी मानते हुए दिया था। पार्टी ने अनुसूचित जाति में कोई गलत संदेश नहीं जाए, इसलिए मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। वोट बैंक के लिए समझौते की ऐसी अनोखी मिसाल देश में शायद ही कही देखने को मिले, जहां एक नेता के मंत्रीपद से इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया गया, बल्कि उसकी पार्टी विरोधी कार्रवाई झेलने को भी पार्टी मजबूर है। दरअसल ऐसे सार्वजनिक विवादित मुद्दों पर किसी भी सरकार के लिए फैसला लेना आसान नही होता। सरकारें एक तरफ जहां रोजगार देने के लिए अपनी छवि सुधारने में लगी होती हैं, वहीं दूसरी तरफ फिर से परीक्षा करवाने की कवायद खर्चीली और देरी करने वाली होती है। राज्यों में सत्तारुढ़ पार्टी के सामने समस्या यह भी होती है कि पेपर लीक होने से चुनिंदा लोगों को हुए फायदे के कारण परीक्षा रद्द करवाने से हजारों–लाखों अभ्यर्थियों के हितों का नुकसान नहीं किया जा सकता। ऐसे में सत्तारुढ़ दलों को दोनों तरफ से युवाओं की नाराजगी का खतरा होता है। यदि पेपर निरस्त करा दिया तो योग्यता सूची में आए अभ्यर्थियों की नाराजगी और नहीं कराया तो प्रदर्शनाकारियों की।

विधि क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव और सैद्धांतिक ज्ञान

—डॉ. सुधीर कुमार—

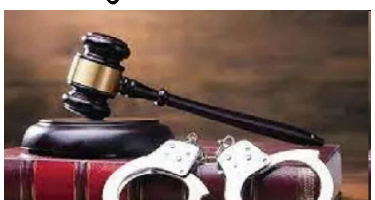

भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) कानून विश्वविद्यालयों में कानूनी सहायता क्लीनिकों की स्थापना और संचालन को अनिवार्य मानती है। इन क्लीनिकों का उद्देश्य छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। उन्हें गरीबों तथा वंचितों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। बीसीआई इन क्लीनिकों की नियमित निगरानी करती है, ताकि छात्रों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिल सके। कानूनी सहायता क्लीनिक न होने पर शिक्षा संस्थानों पर जुर्माना, शो कॉज नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई या मान्यता रद्द करने जैसी कड़ी कार्रवाइयां की जा सकती हैं।

लीगल एड क्लीनिक ऐसे केंद्र होते हैं, जहां कानून के छात्र जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को वास्तविक जीवन के कानूनी मुद्दों से निपटने का अनुभव मिलता है। वे कानूनी प्रणाली को गहरे से समझते हैं। ये क्लीनिक परिवारिक, भूमि, श्रम विवाद जैसे विभिन्न मामलों में मदद करते हैं। भारत में कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में लीगल एड क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। सरकार भी विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से इनका समर्थन करती है।

लीगल एड क्लीनिक छात्रों को अपने कानूनी ज्ञान को सैद्धांतिक से परे वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। यहां वे विभिन्न कानूनी मामलों से निपटते हैं, लोगों को कानूनी सलाह देते हैं, और कानूनी सिद्धांतों को व्यावहारिक अनुभव के साथ समझते हैं।

इसमें भागीदारी से छात्र समाज सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित होते हैं। यहां उन्हें वकीलों, न्यायाधीशों और अन्य कानूनी पेशेवरों से बातचीत का मौका मिलता है, जिससे उनका नेटवर्क मजबूत होता है। इस अनुभव से छात्रों को अपने भविष्य के करियर के लिए व्यावहारिक तैयारियां मिलती हैं। एक कॉर्पोरेट कानून का छात्र छोटे व्यवसायों को कानूनी सलाह देकर कॉर्पोरेट कानून के पहलुओं को समझ सकता है।

कानूनी सहायता क्लीनिक में छात्रों को शामिल करना आवश्यक है, जिससे उन्हें वास्तविक मुकदमे और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। अनुभवी अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन, कानूनी प्रक्रियाओं और नैतिक मानदंडों की समझ जरूरी है। क्लीनिक संचालकों को सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। इसके अलावा, क्लीनिक को आधुनिक संसाधनों जैसे कंप्यूटर, इंटरनेट और कानूनी पुस्तकालय से सुसज्जित किया जाना चाहिए।

इसमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें छात्रों के साथ सहयोगी संबंध स्थापित करना चाहिए, ताकि वे अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकें। शिक्षक को प्रायोगिक शिक्षण पद्धतियों, जैसे मॉक कोर्ट और क्लीनिकल लीगल एजुकेशन के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देना चाहिए। ये छात्रों को यह समझाएं कि लीगल एड क्लीनिक समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षक को अपने ज्ञान को अपडेट रखना चाहिए, छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करना चाहिए और उन्हें नेतृत्व के गुण विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

विश्वविद्यालयों को पर्याप्त बजट और प्रशिक्षित कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और विभिन्न प्रकार के कानूनी मुद्दों के लिए कार्यक्रम विकसित करना चाहिए। इसके अलावा, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाना, जागरूकता अभियान चलाना, नियमित मूल्यांकन करना और अध्यापकों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। तकनीक का उपयोग और कानूनी सेवा प्राधिकरणों के साथ सहयोग करके भी इन क्लीनिकों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

लीगल एड क्लीनिक की प्रभावी निगरानी के लिए नियमित बैठकें, विद्यार्थियों से प्रगति रिपोर्ट लेना, अध्यापकों द्वारा सुपरविजन, कार्यक्रम का मूल्यांकन, लोगों से फीडबैक लेना, पारदर्शिता बनाए रखना, विद्यार्थियों को कानूनी सलाह देना आदि महत्वपूर्ण उपाय हैं। इन उपायों से क्लीनिक के उद्देश्यों की प्राप्ति, विद्यार्थियों का विकास और लोगों की संतुष्टि सुनिश्चित की जा सकती है।—लेखक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

दोनों आंखें गायब, बायां कान भी नहीं, मैकेनिक की लाश देख कांप गए लोग

संवाददाता–गोण्डा। शनिवार को लापता बाइक मैकेनिक का शव रमवापुर नायक–लखनीपुर मार्ग पर नाले के पास मिला है। मृतक की दोनों आंखें और बायां कान गायब मिला। चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। वह बुधवार की शाम को घर से शादी में जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद से लापता था। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जबकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में घटना के कारणों का पता चल सकेगा।

बिरमापुर निवासी शकील (27) की इटियाथोक के बाबागंज मार्ग पर शकील मिस्त्री के नाम से बाइक मैकेनिक की दुकान है। बीते बुधवार रात आठ बजे वह दुकान से घर पहुंचा था। इसके बाद घर से कहीं शादी में जाने की बात कहकर निकला था। पत्नी खुशनुमा ने बताया कि देरशत तक उनके पति शकील वापस नहीं लौटे तो तलाश शुरू की थी। लेकिन, उनका पता नहीं चला। 16 जनवरी को इटियाथोक पुलिस को जानकारी दी। इस पर गुमशुदगी दर्ज कर छानबीन शुरू की गई थी।

शनिवार की सुबह इटियाथोक के रमवापुर नायक–लखनीपुर मार्ग पर पेंड़ारि नाला पुल के पास बकरी चराने पहुंचे लोगों को 30 मीटर दूरी पर शव व मोटरसाइकिल दिखाई दी। इसकी जानकारी डायल 112 को दी गई। वहां पहुंचे पुलिसकर्मियों ने थाने पर जानकारी दी। इसके बाद वहां पर लोगों की भीड़ लग गई। पत्नी खुशनुमा ने शव की पहचान बाइक मैकेनिक पति शकील के रूप में की। मृतक के चेहरे पर खरोंच के निशान मिले हैं। जबकि बायां कान व दोनों आंखें गायब थीं। पुलिस ने फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड की जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पत्नी का कहना है कि उसे आशंका है कि उसके पति की हत्या करके शव को फेंक दिया गया है। हालांकि उसने अभी कोई लिखित शिकायत नहीं की है।

सीओ सदर शिल्पा वर्मा ने बताया कि घटनास्थल का जायजा लेने के साथ ही पत्नी से पूछताछ की गई है। इस दौरान पत्नी से किसी भी रंजिश से इंकार किया है। मौत के स्पष्ट कारणों की जानकारी नहीं हो सकी है। प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया पुल से लड़खड़ा कर गिरने से मौत होना प्रतीत हो रहा है। पत्नी की ओर से तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मृतक शकील अपने दो भाईयों में छोटा था। बड़ा भाई मोहम्मद सईद वर्तमान में साउदी अरब में रहता है। परिजनों के मुताबिक, पिता शबर अहमद की करीब 26 साल पहले मौत हो गई थी। घर में बुजुर्ग मां आशिया खातून के अलावा शकील की पत्नी खुशनुमा, बेटा अरहम (06) और छह महीने की बेटी अना है। मौत के बाद मां व पत्नी समेत बच्चों को रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन के दावे कर रही है। पत्नी खुशनुमा से पूछताछ के बाद पुलिस तीसरे एंगल पर जांच कर रही है। युवक कहां और किसकी शादी में शरीक होने गया था। इसकी भी परिजनों को जानकारी नहीं हो सकी है। पत्नी ने पुलिस को बताया कि पति शकील की किसी से बात होती थी।

वहीं, उसी से मिलने के निकला था। माना जा रहा है कि साजिश के तहत युवक की हत्या की गई है। वहीं, शव को नाले में फेंककर ठिकाना लगाया गया है। सीओ का कहना है कि जांच की जा रही है। बाइक की चाबी और मोबाइल फोन भी बरामद नहीं हो सका है।

बनगई में एक ही परिवार के तीन लोग खसरे से पीड़ित

संवाददाता–श्रावस्ती। बनगई गांव में एक ही परिवार के तीन लोग खसरे से पीड़ित मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कैम्प लगाकर मरीजों का उपचार किया जा रहा है। साथ ही इस संक्रमण से बचाव को साफ सफाई के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जमुनहा विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत फत्तेहपुर बनगई के मजरा बनगई गांव में खसरा अपने पांव पसार रहा है। गांव निवासी अशोक कुमार मौर्य का पुत्र नितीश कुमार (13), अभिषेक कुमार मौर्य (10) व पुत्री प्रियांशी मौर्य (14) खसरे से पीड़ित हैं। जिसकी जानकारी होने पर शनिवार को मल्हीपुर सीएचसी अधीक्षक डा अवनीश कुमार तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को गांव भेजा। जमुनहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डा सुमन थापा टीम के साथ पीड़ितों के घर पहुंच कर उपचार शुरू किया। इसके साथ ही गांव में शिविर लगाकर लोगों को खसरे से बचाव की दवाइयों का वितरण किया। लोगों को संक्रमण के बारे में जागरूक किया और साफ सफाई रखने, दूषित पानी न पीने आदि के लिए प्रेरित किया। टीम ने लोगों को सतर्क किया कि यदि अन्य किसी में भी खसरे का लक्ष्मण दिखता है तो सूचना दें।

पिंजरे में कैद हुआ बच्ची को मौत के घाट उतारने वाला तेंदुआ, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

संवाददाता–बहराइच। तीन दिन पहले एक बच्ची को मौत के घाट उतार देने वाले तेंदुए को आखिरकार पिंजरे में कैद कर लिया गया है। वन विभाग की टीम बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा रेंज में बच्ची की मौत के बाद तेंदुए को पकड़ने के लिए लगातार जुटी हुई थी। शनिवार की सुबह तेंदुआ आखिरकार पिंजरे में फंस गया। उसे पिंजरा सहित रेंज कार्यालय लाया गया है। बता दें कि तीन दिन पहले बहराइच के मोतीपुर थाने के उर्रा के मजरे तमोलीपुरवा में खेत में काम करते समय शाम पांच बजे तेंदुए ने हमला कर बच्ची को मौत के घाट उतार दिया था। तेंदुए के हमले में बच्ची की मौत के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की गई थी। ग्रामीणों की मांग पर कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के ककरहा वन रेन्ज के वन कर्मियों ने घटनास्थल के पास पिंजरा लगवाया था। पिंजरा लगने के तीसरे दिन शनिवार को बकरी के शिकार के लालच में तेंदुआ सुबह लगभग 7:20 बजे पिंजरे में कैद हो गया।

तीन दिन पहले बहराइच के ककरहा रेंज से लगे तमोलियन पुरवा गांव में परिवार के लोगों के साथ खेत पर गई बच्ची को घात लगाए तेंदुआ गन्ने के खेत में खींच ले गया था। खेत में मौजूद ग्रामीण तेंदुए के पीछे हांका लगाते हुए दौड़े तो बालिका को छोड़कर भाग गया। सीएचसी ले जाते समय बालिका की रास्ते में मौत हो गई था। कतर्नियां सेंचुरी क्षेत्र के ककरहा रेंज से उर्रा गांव का तमोलियनपुरवा लगा हुआ है। बुधवार की शाम करीब चार बजे गांव निवासी बैजनाथ अपनी आठ वर्षीय बेटी शालिनी को लेकर खेत गए हुए थे। परिजन भी खेत में सब्जी की निराई कर रहे थे। तभी कुछ दूरी पर स्थित गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने शालिनी पर हमला कर दिया। जबड़े में गर्दन फंसाकर उसे गन्ने के खेत में खींच ले गया। शोर सुनकर परिजनों की नजर तेंदुए पर पड़ी तो सभी डंडा लेकर बचाने के लिए दौड़े लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। खून से लथपथ शालिनी को लेकर सीएचसी की ओर निकले तो कुछ ही दूरी पर उसकी सांस टूट गई। खबर मिलते ही रेंजर भी वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे थे। निगरानी के लिए कैमरा और पिंजरा भी लगाया गया। शनिवार की सुबह इसी पिंजरे में तेंदुआ फंसा।

प्रांतीय हॉकी प्रतियोगिता में संजना को बेस्ट गोलकीपर और विभा को बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार

संवाददाता–देवरिया। प्रांतीय जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता में गोरखपुर मण्डल की टीम तीसरे स्थान पर रही। टीम की सदस्य रहीं संजना यादव ने बेस्ट गोलकीपर और विभा कुमारी को बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार मिला। इस टीम में जिले के कुल छरू खिलाड़ियों ने अपना योगदान दिया। खिलाड़ियों के देवरिया पहुंचने पर डीएम दिव्या मित्तल ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्हें प्रथम आने की शुभकामनाएं दीं। गोरखपुर मंडल की टीम में जिले की विभा कुमारी, सुप्रिया कुमारी, संजना यादव, रोशनी राजभर, प्रीति पाठक और ईशानी तिवारी प्रतिभाग किया। इसमें संजना यादव को टूर्नामेंट का बेस्ट गोलकीपर और विभा कुमारी को बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार भी मिला। इससे पूर्व गोरखपुर मंडल की टीम ने पहले मैच में सहारनपुर को 4–0 से हराया, दूसरा मैच में आजमगढ़ को 4–0 से हराया, तीसरे मैच में बनारस को 1–0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया और प्रयागराज को 2–0 से हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इनकी इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हमारी खिलाड़ी बहुत ही प्रतिभाशाली हैं। भविष्य में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। यह सभी खिलाड़ी विगत पांच वर्षों से स्टेडियम के हॉकी प्रशिक्षक शकील अहमद से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं हैं। इस दौरान क्रीड़ाधिकारी अनुराग श्रीवास्तव, हॉकी देवरिया के अध्यक्ष संजय केडिया, सचिव अकरम सिद्धिकी, स्टेडियम के खेल प्रशिक्षक गिरीश सिंह, अवधेश यादव, लालू सिंह यादव, दिवाकर मणि त्रिपाठी, शालिनी शर्मा, रामजनम यादव, हॉकी के वरिष्ठ खिलाड़ी जफर मंसूर, सुहेल खान, फारुख अहमद, परवेज अख्तर आदि रहे।

घर के बाहर खेल रहे मासूम बच्चे को आवारा कुत्ते ने काटा, हालत नाजुक

संवाददाता–बहराइच। शनिवार की सुबह घर के बाहर खेल रहे मासूम बच्चे को आवारा कुत्ते ने काट लिया। कुत्ते के काटने से बच्चा बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद परिवार के लोग बच्चे को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। घटना हरदी थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर की है। गांव निवासी रजनीश रावत का पुत्र शिवांश रावत (3) वर्ष घर के बाहर खेल रहा था। इसी समय आवारा कुत्ते ने शिवांश को काट लिया। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया। चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद परिवार के लोगों ने दौड़कर कुत्ते को भगाया। घरवाले आनन–फानन शिवांश को लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां से उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। डॉक्टर शिवम मिश्रा ने बताया कि एक बच्चा आया था। उसे कुत्ते ने काटा था। उसका प्राथमिक इलाज किया गया है।

सड़क हादसे में ड्यूटी से लौट रहे पीआरडी जवान की मौत

संवाददाता–महराजगंज। परसामलिक क्षेत्र के महदेइया तिराहे के पास नौतनवा–ठूठीबारी मार्ग पर एक सड़क हादसे में ड्यूटी से लौट रहे पीआरडी जवान की मौत हो गई। साइकिल से आ रहे जवान को किसी वाहन ने जोरदार ठोकर मार दिया था। मौके पर पहुंचे परिजन आनन–फानन में उसे इलाज के लिए ले जाने की तैयारी ही कर रहे थे कि उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे के बाद गाड़ी चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। हादसे के बाद उसके घर कोहराम मच गया है। ग्राम पंचायत महदेइया टोला डगरपुरवा निवासी पीआरडी जवान मनोहर चौधरी (55) पुत्र सुखराम चौधरी सोनौली के कुनसेरवा स्थित जनजाति स्कूल में ड्यूटी कर रहा था। ड्यूटी करके साइकिल से अपने घर वापस लौट रहा था। घर लौटते समय महदेइया तिराहे से सौ मीटर पश्चिम पुलिया के पास अज्ञात चार पहिया वाहन ने जोरदार ठोकर मार दिया।

मृत पीआरडी जवान की पत्नी प्रमीला देवी व चार पुत्र रघुनाथ (35), रामनाथ (33), प्रभुनाथ (30), दीना नाथ (26) का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं मृतक की पत्नी रह रहकर बदहवास हो जा रही हैं।

इस संबंध में एसओ उमेश कुमार का कहना है कि सड़क हादसे में पीआरडी जवान मनोहर चौधरी की मौत हो गई। शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

हादसे रोकने के लिए हरसंभव उपाय करें –पंकज चौधरी

संवाददाता–महराजगंज। केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने हादसों को रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का निर्देश दिया। सड़क सुरक्षा माह की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने एक्सईएन पीडब्ल्यूडी व एनएच को निर्देश दिया कि गोरखपुर–महराजगंज मार्ग पर जो अस्थायी पुल अभी भी हैं, उन्हें समाप्त करते हुए मूल स्थान पर पुलों के निर्माण को सुनिश्चित कराएं। रोडवेज की सभी बसों के पीछे रिफ्लेक्टर लगवाने के लिए। ताकि कोहरे में हादसों को रोका जा सके। साथ ही वाहन चालकों की जांच कर यातायात नियमों का पालन कराने को कहा।

पिछले 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों की ऑडिट करवाते हुए जरूरी कदम उठाने को कहा। मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण को कम करने और सड़कों पर संचालित ई–रिक्शा का रजिस्ट्रेशन करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति तक जरूरी सहायता पहुंचाने की व्यवस्था बनाएं, ताकि ज्यादा से ज्यादा जिंदगियों को बचाया जा सके। आम लोगों से भी अपील की यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय सीट–बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग जरूर करें। अंत में उन्होंने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ भी दिलवाई और परिवहन विभाग के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व डीएम अनुनय झा, एसपी सोमेन्द्र मीना, सीडीओ अनुराग जैन व वरिष्ठ अधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन एडीएम डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, पनियरा विधाय ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

संविधान को भाजपा ने ही दिया है वास्तविक सम्मान -शलभ

संवाददाता–महराजगंज। देवरिया सदर के विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान को भाजपा ने ही वास्तविक सम्मान दिया है। अन्य दलों की तरह उनके नाम को वोट के लिए इस्तेमाल नहीं किया। वे पार्टी कार्यालय पर संविधान गौरव अभियान के तहत हमारा संविधान–हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला सम्मेलन भी हुआ। इसके पूर्व विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह व जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान में अपने लाभ के लिए कई बार संशोधन किया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रहित में संविधान में संशोधन किया। कहा कि हमारा संविधान भारत की आत्मा है। संविधान ने हमारे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में कांग्रेस ने संविधान के नाम पर धोखाधड़ी की। नेहरू–गांधी परिवार न केवल पार्टी को अपनी निजी संपत्ति समझा, बल्कि संविधान को अपनी निजी जागीर की तरह माना। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति के कारण विशेष वर्ग को आरक्षण में शामिल करना चाहती थी। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक बबलू यादव, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष भीम प्रसाद, परतावल ब्लॉक प्रमुख आनंद शंकर वर्मा, मिठौरा राम हरख गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष घुघली संतोष जायसवाल, पूर्व विधायक चौधरी शिवेंद्र सिंह, जिला महामंत्री ओमप्रकाश पटेल, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ पटेल, क्षेत्र महिला मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मधु पांडे ने भी संबोधित किया। नगर अध्यक्ष आकाश श्रीवास्तव, गोविंद जायसवाल, बलराम दुबे, दिनेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी के मामले में धमकी देकर बाउंड्री कूद

संवाददाता–महराजगंज। विदेश भेजने के नाम पर दो चचेरे भाइयों के साथ 1.40 लाख की धोखाधड़ी की शिकायत पर पूछताछ के लिए बुलाए गए एजेंट के साथ आया एक बाउंसर परतावल पुलिस चौकी में ही पीड़ितों को धमकी देने लगा। कहने लगा कि वह अपराधी है। कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। विरोध में उठने वाले आवाज को दबाना जानता है। गोरखपुर के रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र में उसने ही सुल्तान पर गोली चलाई थी। यह सुन पुलिस कर्मी उसके पकड़ने के लिए लपके। पर बाउंसर बाउंड्री कूद भाग गया। इस घटना में पुलिस एजेंट व उसके साथ आई दो महिलाओं से पूछताछ कर रही है। मामला श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के नगरौली गांव का है। यहां के निवासी चंद्रभान शर्मा ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत किया था कि उसने अपने पुत्र व भतीजा को विदेश भेजने के लिए लक्ष्मीपुर भरगांवा गांव निवासी एक एजेंट से सम्पर्क किया। एजेंट ने दुबई भेजने के लिए 1.40 लाख लिया। मेडिकल कराने के लिए गोरखपुर के सिंघड़िया में स्थित एक पैथालाजी पर भेज दिया। वहां सात हजार लेकर मेडिकल किया गया। आरोप है कि एजेंट से अन्य लोगों के साथ मिलकर फर्जी बीजा और कूट रचित दस्तावेज के आधार पर पुत्र और भतीजे को दस दिसंबर को दुबई भेज दिया। वहां पुत्र व भतीजे को बंधक बनाकर मजदूरी का कार्य कराया जाने लगा। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की जाने लगी। इसकी जानकारी मिलने पर एजेंट से सम्पर्क किया गया तो वह भी धमकी दे रहा था। मारपीट पर आमादा हो जा रहा है। शिकायत पर सुनवाई के लिए एसपी के निर्देश पर परतावल पुलिस ने एजेंट को बुलाया था। सुल्तान पर गोली चलाने के नया खुलासा पर एक नया मामला आ गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि सुल्तान का क्या मामला है? बाउंसर तैश में आकर बोला है या फिर वाकई उसने सुल्तान पर गोली चलाई थी? इस मामले में परतावल चौकी इंचार्ज मनीष पटेल ने बताया कि मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है।

भागा एजेंट का बाउंसर

50 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने नवोदय की प्रवेश परीक्षा छोड़ी

संवाददाता–बहराइच। जिले में जवाहर नवोदय प्रवेश परीक्षा शनिवार को शुचितापूर्ण तरीके से निपट गई। पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 50 फीसद ही प्रतिभागियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया है। नकलविहीन परीक्षा को लेकर सचल दस्ता केंद्रों पर भ्रमण शील रहा। सीसी कैमरे के जरिए हर केंद्र के हर कक्ष में चल रही परीक्षा की निगरानी भी की गई। जिले में जवाहर नवोदय के कक्षा में प्रवेश के लिए 15 केंद्र बनाए गए थे। इन केंद्रों पर 5373 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे। सभी 14 ब्लॉकों में परीक्षा के लिए केंद्र बनाए गए थे। सुबह साढ़े ग्यारह बजे से लेकर एक बजे तक परीक्षा संचालित की गई। इस दौरान परीक्षा देने के लिए 2777 परीक्षार्थी अपने–अपने केंद्रों पर पहुंचे। 2596 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है। सुबह गेट पर ही परीक्षार्थियों की सघन तलाशी कराई गई। प्रवेश परीक्षा व बालपेन के अलावा अन्य सामान बाहर ही रोक दिया गया। निर्धारित समय से परीक्षा शुरू हुई। सचल दल ने कई केंद्रों पर औचक छापेमारी की। इस दौरान संदेह होने पर तलाशी भी कराई गई, लेकिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए नहीं पकड़ा गया। हर केंद्र पर सीसी कैमरे की निगरानी में परीक्षा की शुचिता जांची गई।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा में नवाबगंज में तीन केंद्रों पर परीक्षाएं हुईं। जिसमें केवल 178 छात्रों ने परीक्षा दी। शनिवार को आयोजित इस परीक्षा में सीमांत इंटर कालेज में 211 के सापेक्ष 45 छात्र, श्री राम जानकी इंटर कालेज में 360 के सापेक्ष 78 व रमेश चंद्र इंटर गर्ल्स इंटर कालेज में 240 के सापेक्ष 55 छात्र ही परीक्षा में शामिल हुए। खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा ने बताया कि सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे की नजर में परीक्षा संपन्न हुई है। 811 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है। श्री शंकर इंटर कॉलेज नानपारा में आयोजित विकास खंड बलहा के नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में 455 परीक्षार्थी पंजीकृत रहे। जिसमें 156 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी। उपजिलाधिकारी अश्वनी पांडे तहसीलदार अजय कुमार यादव ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस मौके पर नवोदय विद्यालय से सीएलवो अनिता वर्मा, हेमंत बाजपेयी,उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रधानाचार्य अनुराग प्रकाश श्रीवास्तव ने दी है। मनोज कुमार अहिरवार, डीआईओएस ने कहा कि जिले में 15 केंद्रों पर नवोदय प्रवेश परीक्षा शुचितापूर्ण तरीके से निपट गई है। 2596 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है।

अलग अलग मामलों में चार दोषियों को हुई सजा

संवाददाता–श्रावस्ती। अलग अलग मामलों में चार आरोपियों को दोषी पाया गया। जिन्हें न्यायालय की ओर से सजा सुनाई गई। सभी आरोपियों पर अर्थदंड लगाया गया। कोतवाली भिनगा के मदरहवा निवासी कोयले पुत्र बेचू व ननकऊ पुत्र प्यारे को वर्ष 2002 में जंगल से सागौन की लकड़ी काटकर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मामले का विचारण न्यायालय में हो रहा था। जिसे न्यायालय ने जेल में बिताई अवधि के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोनों को 2200–2200 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। इसी तरह वर्ष 2004 में कोतवाली भिनगा के भरथा बेलभरिया निवासी काली प्रसाद पुत्र तिवारी को पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। न्यायालय ने आरोपित को दोषी करार देते हुए जेल में बिताई अवधि के कारावास की सजा सुनाई साथ ही एक हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। गिलौला पुलिस ने 2005 में अनोखीलाल पुत्र सियाराम को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया था।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह बोले– वो समझते जनता अपना विवेक खो बैठी

संवाददाता–गोण्डा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देशभर में आज स्वामित्व योजना के तहत घरौली वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। गोंडा में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने दिल्ली चुनाव को लेकर बिना किसी का नाम लिए कहा कि वो समझते हैं। जनता अपना विवेक खो बैठी है। गुड्डू मुस्लिम के फर्जी पासपोर्ट को लेकर कहां बड़ी कार्रवाई होगी। देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी महासंग्राम शुरू हो गया। स्वामित्व योजना के तहत घरौनी वितरण कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कई बड़े बयान दिए। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि हम यमुना नदी साफ नहीं कर पाए। शुद्ध जल और यूरोप जैसी सड़क नहीं बना पाए। लेकिन मुझे 5 साल का समय और दीजिए। इस पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बिना अरविंद केजरीवाल का नाम लिए हुए कहा कि या तो वह समझते हैं कि जनता अपना विवेक को बैठी है। जनता को भी कुछ वेट दीजिए। वह भी तो समझती है। किसने क्या किया है। जनता अपना फैसला करेगी। किसी के बोलने से कुछ नहीं होगा। लोग अब काम देखना चाहते हैं। अब सिर्फ काम पर ही वोट है।

गुड्डू मुस्लिम अंतीक हत्याकांड में शामिल रहा। कोलकाता में फर्जी पासपोर्ट बना। आईबी की जांच रिपोर्ट में सामने आया है। वह विदेश फरार है। किस तरह कार्रवाई होगी। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर जांच ना हो रही होती। तो यह तथ्य आपके सामने ही नहीं आते। जांच पूरी तरह से और ठीक हो रही है। यह वह सरकार है। जो जनता और देश के दुश्मन है। उनको कतई बख्शा नहीं जाएगा। जांच कराकर सजा दिलाई जाएगी।

नेपाली श्रद्धालुओं को लुभा रहा है प्रयागराज का महाकुंभ, एसएसबी जवान अलर्ट

संवाददाता–बलरामपुर। पड़ोसी मुल्क नेपाल के श्रद्धालुओं में प्रयागराज महाकुंभ को लेकर गजब का उत्साह दिख रहा है। भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र से रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुम्भ जाने के लिए आ रहे हैं। नेपाली श्रद्धालु भी इसे अपने लिए विशेष अवसर मान रहे हैं। नेपाली नागरिकों का कहना है कि भारत से उनका आध्यात्मिक एवं मैत्री सम्बंध है। ऐसे में वह लोग इस महाकुंभ का हिस्सा बनना चाह रहे हैं। दोनों देशों के अधिकारी भी महाकुंभ में नेपाली श्रद्धालुओं की आमद को लेकर अलर्ट हैं। नेपाल से आने वालों की सुरक्षा और सहूलियत के लिए दोनों देशों के अधिकारियों के मध्य बैठक हुई है। नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं के सुरक्षा का पूरा खयाल रखा जा रहा है। भारत और नेपाल पड़ोसी देश हैं। बलरामपुर जनपद से लगी भारत नेपाल की 82 किलोमीटर की सीमा खुली हुई है। इस रास्ते से बगैर वीजा पासपोर्ट के एक दूसरे के यहां लोग आ जा सकते हैं। जहां एक ओर भारतीय पर्यटक भारी संख्या में नेपाल जाकर लुप्त उठाते हैं वहीं दूसरी ओर नेपाल के नागरिक यहां पर व्यापार करने के लिए आते हैं। उनको भारतीय क्षेत्र में अच्छा लाभ होता है। ऐसे में ठण्ड शुरू होते ही नेपाली व्यवसायियों की गर्म कपड़ों के साथ आमद शुरू हो जाती है। इस बार प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। नेपाल में हिन्दुओं की आबादी काफी अधिक है जिनकी आस्था महाकुंभ से जुड़ी हुई है। सीमा पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस और सशस्त्र सीमा बल के जवान इनकी चेकिंग करते हैं। इसके बाद उन्हें जाने दिया जाता है। महाकुम्भ के लिए भारत नेपाल सीमा स्थित कोइलाबास बार्डर पर दोनों देशों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई है। इसमें नेपाल से महाकुम्भ जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं पर चर्चा की गई। साथ ही एसएसबी ने महाकुम्भ को लेकर सीमा पर अपनी गतिविधियों को बढ़ा दिया है। भारत नेपाल के अधिकारियों की बैठक में भाग लेने वाले एसपी विकास कुमार ने कहा है कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बंध रहा है। ऐसे में तमाम श्रद्धालु नेपाल राष्ट्र से महाकुम्भ स्नान के लिए जा रहे हैं। इन सभी श्रद्धालुओं को पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान की जाएगी। एसएसबी भर्ती वाहिनी के कमाण्डेंट मनोरंजन कुमार पाण्डेय ने कहा कि सीमा की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आध्यात्मिक दृष्टि से आने वाले किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। जहां एक ओर भारत नेपाल के बीच रोटी बेटी का सम्बंध है वहीं दूसरी ओर आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी दोनों देशों में महत्वपूर्ण अपनत्व है। शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर से नेपाल का पुराना रिश्ता है। हर बार नवरात्रि में नेपाल के दांग जिले से पात्र देवता की यात्रा निकलती है। जो देवीपाटन पहुंचती है। इसी तरह से तमाम मठ व मंदिर हैं जो दोनों देशों के श्रद्धालुओं के आस्था और विश्वास का केन्द्र हैं।

नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में रह रहे खासकर हिन्दू समुदाय में प्रयागराज महाकुम्भ को लेकर गजब का उत्साह है। ऐसे में वहां से भारी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। जिले के एसपी विकास कुमार ने बताया कि जो भी नेपाली श्रद्धालु महाकुंभ में जा रहे हैं उनकी सुरक्षा व सहूलियत को लेकर पूरा इंतजाम किया गया है।

जानलेवा हैं हाईवे के खतरनाक कट

संवाददाता—संतकबीरनगर। लखनऊ— गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह—जगह खतरनाक कट बन गए हैं। इससे होकर लोग बेरोकटोक हाईवे पार कर रहे हैं। यहीं नहीं ढाबों व होटलों के आस—पास बड़े वाहन भी खड़े किए जा रहे हैं। कोहरे का दौर भी है। हाईवे पर अभी तक रिफ्लेक्टर,रेडियम नहीं लगाए गए गए हैं। ऐसे में थोड़ी सी चूक दुर्घटना का कारण बन सकती है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर टेमा रहमत से मगहर ब्रिज तक जिले की सीमा पड़ती है। यात्रा में किसी प्रकार की बाधा खड़ी न हो और छुट्टा पशु सीधे हाईवे पर न आए। इसके लिए सड़क की दोनों पटरियों के किनारे टिन लगाकर कॅवर किया गया था,लेकिन लोगों ने अपनी सुविधा के लिए कई स्थानों पर इसे हटा दिया है। जिससे खतरनाक कट बन गए हैं। यहीं नहीं हाईवे पर जगह—जगह लोगों ने अपनी सहूलियत के लिए कट बना दिया है। हाईवे के किनारे स्थित होटलों, ढाबों के किनारे सड़क तक बड़े वाहन खड़े किए जा रहे है,जबकि निर्देश हैं कि कोई भी वाहन होटल के किनारे खड़े नहीं होंगे। जबकि कई स्थानों पर इसका पालन नहीं हो रहा है। बूधाकला,कांटे,भुजैनी,सरैया चौराहा, नेदुला, डीघाबाई पास , भैसहिया आदि ऐसे स्थान हैं,जहां पर हाईवे प्रशासन ने सड़क को क्रास करने के लिए स्थान छोड़ा है,लेकिन इन स्थानों पर संकेतक तक नहीं लगाए गए हैं। जिससे लोगों को आने—जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हाईवे पर रिफ्लेक्टर,संकेतक ,रेडियम लगाने की व्यवस्था अभी तक नहीं हुई है। टेमा रहमत से लेकर मगहर तक कई स्थानों पर अक्सर दुर्घटनाएं भी हो रही है। इसके बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। अभी कुछ दिन पूर्व नेदुला और भुजैनी के पास हुए हादसे में दो लोग घायल हो गए थे।

हाईवे पर कई जगह अवैध कट बनाए गए है। इसमें नवीन मंडी के सामने, मनियरा ढाबा के पास, मगहर दुर्गा मंदिर के पास,टेमा रहमत के पास ,मलोरना के पास आदि शामिल है। इन स्थानों पर दुर्घटनाओं की आशंका हमेशा बनी रहती है।

हाईवे पर 12 ब्लैक स्पॉट चिन्हित है। इसमें कांटे, सरैया, टेमा रहमत, दुर्गा मंदिर मगहर, भुवरिया, बूधाकला, रैना पेपर मिल, नेदुला,भुजैनी, मेंहदावल बाईपास,सोनी होटल और मीरगंज शामिल हैं। यातायात कार्यालय के रिकॉर्ड के मुताबिक ब्लैक स्पॉट वाले स्थलों पर पिछले तीन सालों में 127 दुर्घटनाएं हुई हैं। जिसमें 91 लोगों की जान चली गई थी और 77 लोग अपंगता के शिकार हो गए थे।

इस सम्बन्ध में प्रोजक्ट डॉयरेक्टर ललित प्रताप पाल का कहना है कि हाईवे के किनारे बने होटल,ढाबों के पास सड़क के किनारे खड़े होने वाले वाहनों को हटवाने के निर्देश दिए गए हैं। हादसों को रोकने के लिए समय—समय पर जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाता है। इसके साथ ही नियम तोड़ने पर चालान और शमन शुल्क की वसूली कराई जा रही है।

सड़क सुरक्षा समिति में विषय का संज्ञान लिया गया है। एनएचआई के अधिकारियों से वार्ता भी की गई। साथ ही एआरटीओ को भी निर्देशित किया गया है। एनएचआई, पुलिस और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित कर जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

लखनऊ— गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फैजाबाद से लेकर गोरखपुर के बीच जहां सड़क टूटफूट गई है,वहां मरम्मत कराई जाएगी। जल्द ही इस दिशा में कदम उठाया जाएगा। जहां तक रहा सवाल हाईवे पर बने अवैध खतरनाक कट का तो उसे बंद कराए जाने के लिए प्रशासन व पुलिस से पत्राचार कर मदद मांगी गई है।

अचानक टूट कर गिरा नीम का भारी भरकम पेड़, एक किशोर की मौत, दो छात्राओं समेत चार घायल

संवाददाता—अयोध्या। शहर के व्यस्ततम रकाबगंज चौराहे के पास शनिवार को दोपहर बाद अचानक एक पुराना नीम का पेड़ टूट कर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोक तथा उधर से गुजर रही छात्राएं पेड़ की दाल की चपेट में आ गई और खड़े वाहन और ऊपर से गुजर रहे बिजली तथा दूरसंचार के तार भी क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक किशोर की मौत हुई है जबकि चार घायलों को भर्ती कराया गया है। टूटे पेड़ की डालों को कटवा कर हटवाया जा रहा है। रिकाबगंज चौराहे के पास एक पुराना भारी भरकम नीम का पेड़ है, जो दूसरी पहर लगभग 2रू00 बजे अचानक टूट कर गिर पड़ा। पेड़ के अचानक टूट कर गिरने के कारण मौके पर मौजूद लोग तथा सड़क किनारे खड़े वाहन इसकी चपेट में आ गए और चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़े और मामले की जानकारी पुलिस को भी दी गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने चपेट में आए लोगों को बाहर निकलवाया और जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल ले जाने पर इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने पूरा कलंदर थाना क्षेत्र निवासी एक 10 वर्षीय किशोर पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के मोरिया बेगमगंज निवासी अब्बू साहिमन पुत्र रमजान अली को मृत घोषित कर दिया जबकि राजमोहन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की दो छात्रों समेत 3 को उपचार के लिए भर्ती किया है।वही एक युवती को परिवार वाले तरंग रोड स्थित निजी नर्सिंग होम ले गए हैं। हादसे में सड़क किनारे खड़े चार दो पहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं । गनीमत रही की सड़क की पटरी पर दुकान लगाने वाली दो महिलाओं को ज्यादा चोट नहीं आई। रकाबगंज चौराहे से यातायात को डाइवर्ट कर क्षेत्र को आइसोलेट किया गया है तथा संबंधित विभाग की मदद से पुलिस ने टूटी हुई दाल को कटवा कर आवागमन सुचार बनाने की कवायद शुरू कर दी है। नगर कोतवाल अश्वनी पांडेय का कहना है कि हादसे में एक किशोर की मौत हुई है। गनीमत रही कि घायलों को ज्यादा चोट नहीं आई है। मलवे को साफ कराया जा रहा है।

पर्दे के पीछे से संघ ने झोंकी ताकत, इस तरह से बन रही है चुनाव जिताने की रणनीति

संवाददाता—अयोध्या। मिल्कीपुर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। परदे के पीछे रहकर संघ भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में जुट गया है। इसके लिए संघ ने 300 स्वयंसेवकों की टीम मिल्कीपुर में उतार दी है। ये स्वयंसेवक मतदाताओं के बीच रहकर जीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं।

संघ के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर ने शुक्रवार को एक बैठक भी की। बैठक में मिल्कीपुर के मतदाताओं की नब्ज टटोलने के लिए कार्यकर्ताओं की टीम लगाई गई। छोटी—छोटी बैठकें लगातार की जा रही हैं। यही नहीं चाय—पान की दुकानों पर होनी वाली चर्चाओं पर भी स्वयंसेवक नजर रख रहे हैं। भाजपा के पक्ष में कौन माहौल बना रहा है, और किस तरह से माहौल खराब किया जा रहा इस पर भी नजर है।

इसके बाद डैमेज कंट्रोल का प्लान तैयार होगा। संघ के कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं का प्रचार—प्रसार भी इस दौरान कर रहे हैं। मतदाताओं को यह बताने की कोशिश हो रही है कि भाजपा सरकार में निचले पायदान तक के लोगों के विकास का कार्य किया गया है।

मिल्कीपुर उपचुनाव जीतने के लिए संगठन पहले से ही लगा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद कमान संभाल रखी है। चुनाव घोषणा से ठीक पहले ही मुख्यमंत्री के तीन दौरे हो चुके हैं। भाजपा सरकार के आधा दर्जन मंत्रियों ने मिल्कीपुर में कैंप किया हुआ है। अब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भी कमान संभाल रखी है। संघ ने प्रमुख जिम्मेदारी नकारात्मक माहौल को सकारात्मक करने की है। इसके लिए 300 स्वयंसेवकों को मिल्कीपुर में उतारा गया है।

मौनी अमावस्या पर रोज साढ़े 3 लाख भक्तों को रामलला के दर्शन कराने की तैयारी

संवाददाता—अयोध्या। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और परिसर के सुरक्षा अधिकारी प्रतिदिन साढ़े तीन लाख से अधिक राम भक्तों को दर्शन कराने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए खाका खींचा जा रहा है। बीती 15 तारीख की तरह मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी पर फिर अप्रत्याशित भीड़ होने की संभावना है। इसलिए व्यवस्थाओं को जल्द धरातल पर उतारने की तैयारी है। अभी तक प्रतिदिन ढाई लाख श्रद्धालुओं को दर्शन कराने की क्षमता और व्यवस्था ट्रस्ट और सुरक्षा अधिकारियों के पास है। बीती 15 तारीख को सबसे ज्यादा 2.42 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किया था। बीते तीन दिनों में लगभग पांच लाख राम भक्त दर्शन कर चुके हैं। विशेष अवसरों पर राम भक्तों की अत्यधिक संख्या पंहुच रही है। व्यवस्थित रूप से दर्शन कराने में सुरक्षा कर्मियों और ट्रस्ट के कर्मचारियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेष दिनों में दर्शन की व्यवस्था निर्वाध करने की मजबूरी बन रही है। भीड़ को कुछ मिनट भी रोक पाना मुश्किल हो रहा है। सुबह पट खुलने के साथ रात को बंद होने तक लगातार श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। एक जनवरी से श्रद्धालुओं के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष के पहले दिन लगभग दो लाख 25 हजार लोगों ने दर्शन किया था। इसके बाद यह संख्या कुछ दिनों के लिए 70 से एक लाख के बीच पंहुच गई लेकिन 12 जनवरी को एकाएक 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पंहुच गए। 15 तारीख को तो अब तक की सबसे सर्वाधिक संख्या लगभग दो लाख 42 हजार तक हो गई। इसके बाद अभी भी प्रतिदिन एक लाख 15 हजार श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं।

मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी को लेकर शुरू की गई तैयारी परिसर के सूत्रों की माने तो विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं के अप्रत्याशित बढ़े आंकड़ों से सबक लेते हुए नए सिरे से खाका खींचना मजबूरी हो गया है क्योंकि 22 जनवरी को मौनी अमावस्या और दो फरवरी को वसंत पंचमी है। इन दिनों में भी श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ आने की संभावना है। ट्रस्ट और अधिकारियों की कोशिश है कि इससे पहले व्यवस्थाओं को धरातल पर उतार दिया जाए। इसलिए दो दिनों के भीतर कई चरणों बैठक हो चुकी है। परिसर के एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा भक्तों को सुविधाजनक तरीके से दर्शन कराया जाए यही लक्ष्य है।

450 मीटर लंबे सीसी मार्ग का डीएम ने किया लोकार्पण

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री इकाई टांडा द्वारा विकासखंड टांडा के ग्राम पंचायत बिहरा एवं हुसेपुर में निर्मित कराए गए 450 मीटर लंबे सीसी मार्ग का लोकार्पण डीएम अविनाश सिंह ने फीता काटकर किया। कहा कि इस मार्ग का लाभ संबंधित ग्रामीणों को बेहतर ढंग से मिलेगा। उन्होंने ऐसे प्रयासों के लिए सीमेंट फैक्ट्री की सराहना की। इकाई प्रमुख नागेश उपाध्याय ने कहा कि सामाजिक दायित्व के तहत इकाई के आसपास के ग्राम पंचायतों में विकास के कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को कोई परेशानी न हो। फैक्ट्री के एचआर प्रमुख करुणाकर तिवारी ने बताया कि सीमेंट फैक्ट्री द्वारा बीते दिनों साढ़े पांच लाख की लागत से ग्राम पंचायत बिहरा में 280 मीटर, जबकि चार लाख रुपये की लागत से ग्राम पंचायत हुसेपुर में 180 मीटर लंबे सीसी मार्ग का निर्माण शुरू हुआ था। अब कार्य पूरा होने पर उसका लोकापर्ण किया गया। कार्यक्रम में अवधेश राय, कृष्ण सिंह के अलावा ग्राम प्रधान बिहरा अभिषेक मिश्र, ग्राम प्रधान हुसेपुर राजमन पटेल, राजेश वर्मा, हौसला प्रसाद वर्मा व परशुराम आदि मौजूद रहे।

प्रेमी युगल फरार

संवाददाता— शोहरतगढ़ (सिद्धार्थनगर)। थाना क्षेत्र चिल्हिया के गोहनिया चौराहे के पास सूचना पर बाइक गैराज के पीछे के कमरे में संदिग्ध अवस्था में प्रेमी युगल की जानकारी होने पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शोहरतगढ़ निवासी एक विवाहित व्यक्ति व प्रेमिका को गैराज के पीछे बने कमरे से बाहर निकाला। दोनों को एक बाइक से नजदीक स्थित चिल्हिया थाना पर चलने के लिए कहा। मौके का फायदा उठाकर प्रेमी युगल बाइक पर बैठकर फरार हो गए। पुलिस उनके पीछे दौड़ती रही। घटना स्थल पर गये दोनों पुलिस ने उन्हें खोजने का प्रयास किया लेकिन उसे सफलता हासिल नहीं लगी। घटना की चौराहा व क्षेत्र पर चर्चा जोरों पर रही। थानाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद ने कहा कि पूरे प्रकरण का जांच पुलिस कर रही है।

हिमाचल के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शनिवार को हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल पहुंचे। उन्होंने रामलला के दरबार मे हाजिरी लगाई। इसके बाद उन्होंने कुबेर टीला पहुंचकर वहां भी दर्शन पूजन किया। इसके साथ ही तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के चेयरमैन बीआर नायडू भी रामनगरी पहुंचे। एयरपोर्ट पर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि परिवार संग पहली बार अयोध्या आगमन हुआ है।

बताया कि रविवार सुबह रामलला और हनुमानगढ़ी का दर्शन—पूजन करने के साथ राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को रामलला के लिए वस्त्र और उपहार सौंपेंगे।

सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी ई—रिक्शा चालक गिरफ्तार

संवाददाता—संतकबीरनगर। सात माह पूर्व कोतवाली क्षेत्र में एक महिला से हुए गैंगरेप और डकैती के मामले के मुख्य आरोपी ई— रिक्शा चालक को पुलिस ने बालू शासन पुल के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। विवेचक इंस्पेक्टर क्राइम रामेश्वर यादव ने बताया कि दुधारा क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित महिला का कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र में मायका है। 23 मई 2024 को महिला अपने मायके जाने के लिए मेंहदावल बाईपास पहुंची। जहां उसे कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला आरोपी ई—रिक्शा चालक मिला। आरोप है कि ई— रिक्शा चालक ने उसे मायके पहुंचाने की बात कहकर वाहन में बैठा लिया और रोकने—टोकने के बावजूद बघौली की तरफ लेकर चला गया। सूनसान स्थान पर वाहन रोक दिया। वहां 4—5 लोग पहले से मौजूद थे। आरोप है कि लोग उसका मोबाइल, सोने की टप्स, मंगलसूत्र छीन लिए। आरोप है कि आगे जंगल में ले जाकर सभी उसके साथ बारी—बारी से दुष्कर्म किए। 10 जनवरी को इस मामले में पांच नामजद आरोपी और तीन अज्ञात के खिलाफ डकैती, गैंगरेप, मारपीट, जानमाल की धमकी आदि का केस दर्ज हुआ था। आगे बताया कि सूचना के आधार पर एसएसआई राजेश दूबे, कांस्टेबल मनीष कुमार यादव के सहयोग से मुख्य आरोपी ई—रिक्शा चालक सुनील विश्वकर्मा निवासी जंगल खुर्द गोड़वा कोतवाली को गिरफ्तार कर कोर्ट भेजा गया। कोर्ट ने न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए आरोपी को जेल भेज दिया। प्रकरण की विवेचना चल रही है।

नहर में मिला गोवंश का कटा सिर

बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसी कोतवाली क्षेत्र के बांसी—डुमरियागंज मार्ग पर शनिवार को पचपेड़िया स्थित नहर में गोवंश का कटा सिर मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एएसपी ने भी घटनास्थल का दौरा किया। एसडीएम, सीओ और कोतवाल के साथ पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह भी पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। वहीं मामले के खुलासा के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। शनिवार की सुबह नहर की ओर कुछ लोग निकले तो देखा कि एक गोवंश का कटा हुआ सिर नहर में पड़ा हुआ है। गोवंश का सिर मिलने की खबर कुछ ही देर में फैल गई। सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पर कुछ ही देर में एसडीएम शशांक शेखर राय, सीओ मयंक द्विवेदी, कोतवाल राम कृपाल शुक्ल मौके पर पहुंच गए और छानबीन में जुट गए। एसपी सिद्धार्थ व डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह भी मौके पर पहुंच गए। पूर्व विधायक ने कहा कि जो भी आरोपी हो उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए जिससे कड़ी से कड़ी सजा मिले। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक राम कृपाल शुक्ल ने गोवंश का सिर कब्जे में ले लिया। एएसपी सिद्धार्थ ने कहा कि पर्दाफाश करने के लिए पुलिस टीम बना दी गई है। जल्द ही आरोपी पकड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था बनी है। पुलिस को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। प्रभारी निरीक्षक बांसी ने कहा कि अज्ञात के विरुद्ध गोवध निवारण अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की तीन टीम लगा दी गई है। अपराधियों ने घटना कहीं अन्यत्र किया है और पुलिस को गुमराह करने के लिए गोवंश का सिर नहर में फेंक दिया है। मामले का खुलासा शीघ्र कर दिया जाएगा।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 380/2024
रामचंद्र मिश्र —सायल
1. रामचंद्र मिश्र उम्र करीब 64 वर्ष पुत्र रामसेवक ग्राम बडेवन तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 21—01—2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21—01—2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम—11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा—12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत—जे0एम0/एफ0टी0सी0 (महिलाओ के विरूद्ध अपराध) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
घरेलू हिंसा वाद सं0 309/2024
आंकाक्षा श्रीवास्त
बनाम
रितेश श्रीवास्तव आदि
1. रितेश श्रीवास्तव उम्र 35 साल पुत्र योगेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव 2. योगेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव उम्र 62 साल पुत्र स्व0 राम दुलारे लाल श्रीवास्तव 3. माया श्रीवास्तव उम्र 58 साल पत्नी योगेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव 4. स्वाती श्रीवास्तव उम्र 38 साल 5. कनिष्का श्रीवास्तव उम्र 30 साल पुत्रीगण योगेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव साकिनान मोहल्ला जयपुरवा थाना कोतवाली जिला—बस्ती
तारीख पेशी 10—02—2025
याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा— 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 10 मास 02 सन् 2025 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 118/2021
रामगरीब पाण्डेय
बनाम
मधुर नारायण आदि
1/1 श्रीमती शारदा देवी पत्नी स्व0 मधुर नारायण पाण्डेय 1/2 राजकुमार पाण्डेय पुत्र स्व0 मधुर नारायण पाण्डेय समस्त निवासीगण ग्राम रामपुर नवनिधिराम तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 18—03—2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 130/2024
श्रीमती रेनू चौधरी —सायलान
1. श्रीमती रेनू चौधरी उम्र लगभग 38 वर्ष पत्नी स्व0 रामनरेश वर्मा साकिन बड़ेरिया कुंवर पोस्ट थान्हा खास तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
2. आर्यन उम्र लगभग 12 वर्ष 3. आदित्य चौधरी उम्र लगभग 4 वर्ष नावालिगान पुत्रगण स्व0 राम नरेश वर्मा संरक्षिका श्रीमती रेनू चौधरी पत्नी स्व0 राम नरेश वर्मा माता स्वयं साकिनान मौजा बड़ेरिया कुंवर पोस्ट थान्हा खास तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती
तारीख पेशी 25—02—2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25—02—2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
नि0सं0— C202417000000422
अदालत— श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला—बस्ती
अखिलेश चन्द्र पाण्डेय आदि
बनाम
सूर्य प्रसाद उर्फ सूरज प्रसाद आदि
1. सूर्य प्रसाद उर्फ सूरज प्रसाद 2. हरि प्रसाद 3. अरूण शंकर 4. अशोक कुमार पाण्डेय पुत्रगण रामानन्द साकिनान गिरधार तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती
तारीख पेशी 05—02—2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 05 महीना 02 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 18 माह 01 सन 2025 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान अपर जिला जज /एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 101/2022
श्रीमती सिंगारी देवी
बनाम
मुनिराम आदि
2. गिरजेश कुमार उम्र 40 साल 3. उमेश चन्द्र उम्र 34 साल 4. दुर्गेश उम्र 31 साल 5. चन्देश कुमार उम्र 28 साल पुत्रगण मुनिराम साकिनान मौजा घुघसा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती पो0—बानपुर
तारीख पेशी 25—02—2025
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 25 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0— 521/2018
न्यायालय—श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय भानपुर जिला—बस्ती
बाला प्रसाद
बनाम
प्रेमनरायन आदि
1/1 श्रीमती विद्या देवी उम्र 70 वर्ष पत्नी प्रेमनरायन 1/2 महेन्द्र कुमार उम्र 42 वर्ष 1/3 विवेक कुमार उम्र 36 वर्ष 1/4 सच्चिदानन्द उम्र 40 वर्ष पुत्रगण प्रेमनरायन 3. सत्यभामा उम्र 64 वर्ष पत्नी गोरखनाथ निवासीगण ग्राम उमरभरिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती 4/1 सुशीला देवी उम्र 50 वर्ष पुत्री स्व0 कृष्णावती पत्नी जय प्रकाश साकिन नौवागांव तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती
तारीख पेशी 31—01—2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0— 230/2024
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला—बस्ती
रामकिशुन
बनाम
रामदीन आदि
1. रामदीन पुत्र उधव 2. राम अवतार पुत्र उधव 3. राम कुमार पुत्र उधव साकिनान मौजा भिखारीपुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती
तारीख पेशी 20—02—2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com